Downloaded from www.studiestoday.com

प्रथम सत्र अप्रैल से सितम्बर

खण्ड 'क'

अपठित गद्यांश

अपठित का अर्थ होता है जो पढा नही गया हो अर्थात् जो पाठ्यक्रम की पुस्तक से नही लिया जाता है पद्यांश व गद्यांश का विशय कुछ भी हो सकता है इनसे संबंधित प्रश्न पूछे जाते है इससे छात्रों का मानसिक व्यायाम होता है और उनको साहित्यिक ज्ञान क्षेत्र का विस्तार भी होता है साथ ही छात्रों की व्यक्तिगत् योग्यता एवं अभिव्यक्ति की क्षमता भी बढता है

विधि

अपठित गद्यांश व पद्यांश पर आधारित प्रश्नों को हल करते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए

1 दिये गये गद्यांश पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढे
2 पढते समय मुख्य बातों को रेखांखित करें
3 प्रश्नो के उतर देते समय भाशा सरल होनी चाहिए
4 उत्तर सरल संक्षित व सहज होने चाहिए
5 उत्तर में जितना व पूछा जाए उतना ही लिखना चाहिए
6 भीर्शक संबंधी प्र न का गद्यांश व पद्यांश के केन्द्रीय भाव को ध्यान में रखकर उत्तर दीजिए
7 उत्तर सदैव पूर्ण वाक्य में दें

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को धयानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उनार छाँटकर लिखिए अंक 5

विद्यार्थी जीवन को मानव जीवन की रीढ़ की हड्डी कहें तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। विद्यार्थी काल में बालक में जो संस्कार पड़ जाते हैं, जीवन भर वही संस्कार अमिट रहते हैं। इसीलिए यही काल आधारशिला कहा गया है। यदि यह नींव दृढ़ बन जाती है तो जीवन सुदृढ़ और सुखी बन जाता है। यदि इस काल में बालक कष्ट सहन कर लेता है तो उसका स्वास्थ्य सुन्दर बनता है। यदि मन लगाकर अीययन कर लेता है तो उसे ज्ञान मिलता है, उसका मानसिक विकास होता है। जिस वृक्ष को प्रारम्भ से सुन्दर सिंचन और खाद मिल जाती है, वह पुष्पित एवं पल्लवित होकर संसार को सौरभ देने लगता है। इसी प्रकार विद्यार्थी काल में जो बालक श्रम, अनुशासन, समय एवं नियमन के साँचे में ढल जाता है, वह आदर्श विद्यार्थी बनकर सभ्य नागरिक बन जाता है। सभ्य नागरिक के लिए जिन-जिन गुणों की आवश्यकता है उन गुणों के लिए विद्यार्थी काल ही तो सुन्दर पाठशाला है। यहाँ पर अपने साथियों के बीच रह कर वे सभी गुण आ जाने आवश्यक हैं, जिनकी कि विद्यार्थी को अपने जीवन में आवश्यकता होती है ।

1. **मानव जीवन की रीढ़ की हड्डी विद्यार्थी जीवन को क्यों माना गया है।**

(क) पूरा जीवन विद्यार्थी जीवन पर चलता है ।

(ख) क्योंकि जो संस्कार संस्कार पड़ जाते हैं, जीवन भर वही संस्कार अमिट रहते हैं

(ग) विद्यार्थी जीवन सुखी जीवन है।

(घ) विद्यार्थी का जीवन स्वस्थ जीवन है ।

2. **'पाठशाला' शब्द में कौन सा समास है?** 1

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(क) द्वन्द्व
(ख) कर्मधारय
(ग) तत्पुरूष
(घ) अव्ययीभाव

3. **जिस वृक्ष को प्रारम्भ से खाद मिल जाती है वह कैसा हो जाता है।** 1
(क) फूल देने वाला
(ख) फल देने वाला
(ग) सौरभ बिखराने वाला
(घ) फूल, फल, सौरभ देने वाला

4. **आदर्श विद्यार्थी से क्या तात्पर्य है?** 1
(क) जो परिश्रमी हो
(ख) जो अनुशासित हो
(ग) जो समय के अनुरूप चल सके
(घ) उपरोक्त सभी

5. **इस गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक हैद्व** 1
(क) आदर्श नागरिक
(ख) विद्यार्थी जीवन
(ग) सुखी जीवन
(घ) मानसिक विकास

प्रश्न 2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उनार सही विकल्प चुनकर लिखिएद्व अंक 5

काशी के सेठ गंगादास एक दिन गंगा में स्नान कर रहे थे कि तभी एक व्यक्ति नदी में कूदा और डुबकियाँ खाने लगा । सेठजी तेजी से तैरते हुए उसके पास पहुँचे और किसी तरह खींच कर उसे किनारे ले आए । वह उनका मुनीम नंदलाल था। उन्होंने पूछा, 'आप को किसने गंगा में फेंका?' नंदलाल बोला, ' किसी ने नहीं, मैं तो आत्महत्या करना चाहता था। 'सेठजी ने इसका कारण पूछा तो उसने कहा, 'मैंने आप के पाँच हजार रुपये चुरा कर सट्टे में लगाए और हार गया। मैंने सोचा कि आप मुझे जेल भिजवा देंगे इसलिए बदनामी के डर से मैंने मर जाना ही ठीक समझा।' कुछ देर तक सोचने के बाद सेठजी ने कहा, 'तुम्हारा अपराध माफ किया जा सकता है लेकिन एक शर्त है कि आज से कभी किसी प्रकार का सट्टा नहीं लगाओगे।' नंदलाल ने वचन दिया कि वह अब ऐसे काम नहीं करेगा। सेठ ने कहा, 'जाओ माफ किया। पाँच हजार रुपये मेरे नाम घरेलू खर्च में डाल देना।' मुनीम भौंचक्का रह गया। सेठजी ने कहा, 'तुमने चोरी तो की है लेकिन स्वभाव से तुम चोर नहीं हो। तुमने एक भूल की है, चोरी नहीं। जो आदमी अपनी एक भूल के लिए मरने तक की बात सोच ले, वह कभी चोर हो नहीं सकता।

(क) **सच्चे भक्त से तात्पर्य हैद्व** 1
(प) बिना स्वार्थ के पूजा करना

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(पप) रोज मंदिर जाना

(पपप) एक ही भगवान की पूजा करना

(पअ) अपने धर्म में कट्टरता

(ख) **मुनीम आत्महत्या क्यों करना चाहता था?** 1

(प) जीवन से छुटकारा पाने के लिए

(पप) सेठजी को प्रभावित करने के लिए

(पपप) दुनिया को दिखाने के लिए

(पअ) अपराध बोध होने के कारण

(ग) **हमें समाज में किस चीज का डर सबसे ज्यादा होता है?** 1

(प) परिवार का

(पप) नौकरी का

(पपप) रुतबे का

(पअ) बदनामी का

(घ) **सेठजी को मालूम था कि मुनीम चोर है लेकिन फिर उन्होंने उसे छोड़ दिया क्योंकि?** 1

(प) बाद में उसे जीवन भर गुलाम बनाना चाहते थे

(पप) भूल सुधारने का मौका देना चाहते थे

(पपप) दुनिया को प्रभावित करना चाहते थे

(पअ) समाज में अपनी प्रतिष्ठा बढ़ाना चाहते थे

(ट) **गद्यांश का उचित शीर्षक हो सकता है?** 1

(प) 'चोरी की सजा'

(पप) 'मेरा प्रण'

(पपप) 'सेठजी की दयालुता'

(पअ) 'मुनीम जी का दुख'

प्रश्न 3. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उनार सही विकल्प चुनकर लिखिए? **अंक 5**

प्राचीन काल में शनि को अमंगलकारी ग्रह समझ लिया था। सुनी-सुनाई बातों के आधार पर लोगों में इस ग्रह के बारे में भ्रांतियाँ फैलती चली गई। यह ग्रह अत्यंत मंद गति से सूर्य के चारों ओर करीब तीस वर्ष में एक चक्कर पूरा करता है। शनि का दिन हमारे दिन से छोटा होता है। शनि अत्यंत ठंडा ग्रह है। शनि के वायुमंडल का तापमान शून्य से 150° सेंटीग्रेड नीचे रहता है। अत: यहाँ जीवन संभव नहीं है। वैज्ञानिक खोजों के आधार पर शनि के उपग्रहों की संख्या सत्रह हो गई है। शनि का सबसे बड़ा चंद्र टाइटन है। यह उपग्रह हमारे उपग्रह चंद्रमा से काफी बड़ा है। टाइटन की अद्भुत चीज़ इसका वायुमंडल है। इसके वायुमंडल में मीथेन गैस पर्याप्त मात्रा में है। इस पर मीथेन, पानी की तरह मानी जा सकती है। शनि को दूरबीन से देखा जाए तो इसके चारों ओर वलय या घेरे दिखाई देते हैं। इन वलयों या कंकणों से इसकी सुंदरता काफ़ी बढ़ जाती है। इन वलयों की खोज गैलीलियो ने की थी। नई खोजों के आधार पर सौरमंडल के

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

कई ग्रहों के वलयों की खोज हो चुकी है। शनि जितने सुंदर और स्पष्ट वलय किसी ग्रह के नहीं हैं।

(क) **शनिग्रह की सुंदरता का कारण है।** 1

(*प*) इसका सबसे छोटा होना।

(*पप*) सबसे अलग होना।

(*पपप*) इसके के चारो ओर चमकते घेरे।

(*पअ*) इसका सूर्य के समीप होना।

(ख) **शनि पर जीवन संभव नहीं है क्योंकिद्ध** 1

(*प*) वहाँ क्रूर देव हैं।

(*पप*) बहुत गर्मी हैं।

(*पपप*) बहुत ठंड है।

(*पअ*) बहुत अँधेरा है ।

(ग) **धरती का उपग्रह हैद्ध** 1

(*प*) बुध

(*पप*) शनि

(*पपप*) चंद्रमा

(*पअ*) सूर्य

(घ) **मीथेन गैस को किसके समान माना गया है।** 1

(*प*) अग्नि

(*पप*) पानी

(*पपप*) मिट्टी

(*पअ*) रोशनी

(ट) **शनि के वलयों की खोज करने वाले वैज्ञानिकद्ध** 1

(*प*) आइनस्टाइन

(*पप*) न्यूटन

(*पपप*) सी.वी. रमन

(*पअ*) गैलीलियो

प्रश्न 4. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उनार सही विकल्प चुनकर लिखिएद्ध अंक 5

जिस प्रकार बीज के उगने और बढ़ने के लिए मौसम विशेष नहीं, अपेक्षित परिस्थितियों का निर्माण जरूरी है। उसी प्रकार किसी भी कार्य में सफलता पाने के लिए बाहरी परिस्थितियाँ नहीं, मन की सकारात्मक वृनि अनिवार्य है और वह सकारात्मक वृनि है हमारा संकल्प। संकल्पाः कल्पतरवः, तेजः कल्पकोद्यानम्' अर्थात संकल्प ही कल्पतरु हैं और तेज अथवा मन उन कल्पतरुओं का उद्यान है। जैसी कल्पना वैसा उद्यान अर्थात जीवन की दिशा और दशा। गहन संकल्प से ही संभव है पूर्ण सफलता। कुछ कर गुजरने के लिए वास्तव में मौसम अथवा बाहरी परिस्थितियाँ ही सब कुछ नहीं हैं। सबसे महनवपूर्ण है मन। इस संपूर्ण सृष्टि के सृजन के मूल में मन ही तो है। मन ही

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

वह अदृश्य सूक्ष्म बीज अथवा सनाा है जिससे यह पृथ्वी रूपी विशाल वट वृक्ष अस्तित्व में आया और निंरतर पल्लवित-पुष्पित हो रहा है। तभी तो कहा गया है। कुछ कर गुजरने के लिए मौसम नहीं मन चाहिए। साधन सभी जुट जाएँगे संकल्प का धन चाहिए ।

(क) **जीवन में कुछ कर गुज़रने के लिए आवश्यक हैद्ध** 1

(*प*) मन और मौसम

(*पप*) मन

(*पपप*) अनुकुल परिस्थितियाँ

(*पअ*) मौसम

(ख) **कार्य में सफलता के लिए अनिवार्य हैद्ध** 1

(*प*) परिस्थितियाँ

(*पप*) लोगों की सहायता

(*पपप*) सकारात्मक वृनि

(*पअ*) पर्याप्त ज्ञान

(ग) **बीज के उगने और बढ़ने के लिए ज़रूरी हैद्ध** 1

(*प*) अपेक्षित परिस्थितियाँ

(*पप*) मौसम विशेष

(*पपप*) किसान का कुशल होना

(*पअ*) उपर्युक्त सभी

(घ) **हमारी सकारात्मक वृत्ति हैद्ध** 1

(*प*) साहस

(*पप*) विवेक

(*पपप*) बुद्धि

(*पअ*) संकल्प

(ट) **गद्यांश का उचित शीर्षक हो सकता हैद्ध** 1

(*प*) संकल्प का धन

(*पप*) धन का महनव

(*पपप*) कर्मठता

(*पअ*) बीज की कथा

प्रश्न 5. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उनार सही विकल्प चुनकर लिखिएद्ध **अंक 5**

परिश्रम उन्नति का द्वार है। मनुष्य परिश्रम के सहारे ही जंगली अवस्था से वर्तमान विकसित अवस्था तक पहुँचा है। उसी के सहारे उसने अन्न, वस्त्र, घर, मकान, भवन, बाँध, पुल, सड़कें बनाइह। तकनीक का विकास किया, जिसके सहारे आज यह जगमगाती सभ्यता चल रही हैं। परिश्रम केवल शरीर की क्रियाओं का ही नाम नहीं हैं। मन तथा बुदि से किया गया परिश्रम भी परिश्रम कहलाता है। हर श्रम में बुदि तथा

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

विवेक का पूरा योग रहता है। परिश्रम करने वाला मनुष्य सदा सुखी रहता है। परिश्रमी व्यक्ति का जीवन स्वाभिमान से पूर्ण होता है, वह स्वयं अपने भाग्य का निर्माता होता है। उसमें आत्म-विश्वास होता है। परिश्रमी किसी भी संकट को बहादुरी से झेलता है तथा उससे संघर्ष करता है ।परिश्रम कामधेनु है जिससे मनुष्य की सब इच्छाएँ पूरी हो सकती हैं। मनुष्य को मरते दम तक परिश्रम का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। जो परिश्रम के वक्त इन्कार करता है, वह जीवन में पिछड़ जाता है।

(क) **वर्तमान विकसित अवस्था तक मनुष्य कैसे पहुँचा ?** 1

(*i*) अन्न उपजा कर

(*ii*) धन व बुद्धि के बल पर

(*iii*) परिश्रम कर

(*iv*) सुखों को भोग कर

(ख) **मन और बुद्धि द्वारा किया जाने वाला कार्य कहलाता है ?** 1

(*i*) चतुरता

(*ii*) विश्राम

(*iii*) विवेक

(*iv*) परिश्रम

(ग) **परिश्रमी व्यक्ति के गुण हैं:** 1

(*i*) आत्मविश्वासी, स्वाभिमानी, संघर्षी एवं स्वयं का भाग्य-निर्माता

(*ii*) स्वाभिमानी, संघर्षी, दयालु एवं चरित्रवान

(*iii*) स्वयं का भाग्य-निर्माता, आत्मविश्वासी एवं दयालु

(*iv*) चरित्रवान, आत्मविश्वासी, भाग्यवादी, सत्यवादी

(घ) **परिश्रम को 'कामधेनु' कहने का क्या आशय है ?** 1

(*i*) सारी बाधाओं को दूर करना

(*ii*) सारी परिस्थितियों को बदलना

(*iii*) सारी इच्छाओं को दबाना

(*iv*) सारी मनोकामनाओं को पूरा करना

(ङ) **कौन जीवन में पीछे रह जाता है ?** 1

(*i*) जो धीरे चलता है।

(*ii*) जो बिना सोचे तेज़ चलता है।

(*iii*) जो परिश्रम के समय इन्कार करता है।

(*iv*) जो आत्मविश्वास का सहारा नहीं लेता ।

प्रश्न 6. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए **अंक 5**

हमारे देश के त्योहार चाहे धार्मिक दृष्टि से मनाए जा रहे हैं या नए वर्ष के आगमन के रूप में। फसल की कटाई एवं खलिहानों के भरने की खुशी में हों या महापुरुषों की याद में। सभी अपनी विशेषताओं एवं क्षेत्रीय प्रभाव से युक्त होने के साथ ही देश की राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक एकता और अखंडता को मजबूती प्रदान करते

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

हैं । ये त्योहार जहाँ जनमानस में उल्लास, उमंग एवं खुशहाली भर देते हैं, वहीं हमारे अंदर देश-भक्ति एवं गौरव की भावना के साथ-साथ, विश्व-बंधुत्व एवं समन्वय की भावना भी बढ़ाते हैं। इनके द्वारा महापुरुषों के उपदेश हमें बार-बार इस बात की याद दिलाते हैं कि सद्विचार एवं सद्भावना द्वारा ही हम प्रगति की ओर बढ़ सकते हैं। इन त्योहारों के माधयम से हमें यह भी शिक्षा मिलती है कि वास्तव में धर्मों का मूल लक्ष्य एक है, केवल उस लक्ष्य तक पहुँचने के तरीके अलग-अलग हैं।

1. **त्योहार किससे प्रभावित होते हैं?** 1
   (क) देश की प्रगति के प्रभाव से
   (ख) धार्मिक दृष्टि के प्रभाव से
   (ग) क्षेत्रीय प्रभाव से
   (घ) जनमानस के प्रभाव से

2. **त्योहारों से हमें क्या लाभ हैं** 1
   (क) महापुरुषों की याद दिलाते हैं
   (ख) देश की एकता और अखंडता मजबूत करते हैं
   (ग) देश भक्ति की भावना बढ़ाते हैं
   (घ) उपरोक्त सभी

3. **हम उन्नति की ओर किस प्रकार बढ़ सकते हैं?** 1
   (क) सद्विचारों से
   (ख) सद्विचार एवं सद्भावना से
   (ग) देश की अखंडता से
   (घ) महापुरुषों के उपदेश से

4. **त्योहारों के माधयम से हमें क्या प्रेरणा मिलती है।** 1
   (क) धर्मों का मूल लक्ष्य एक है
   (ख) ईश्वर प्राप्ति के तरीके अलग-अलग हैं
   (ग) अपने-अपने धर्म पर चलना चाहिए
   (घ) देश भक्ति और देश के गौरव की

5. **इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है** 1
   (क) धर्म का मार्ग
   (ख) देश भक्ति
   (ग) त्योहारों का महत्व
   (घ) हमारे त्योहार अलग हैं

प्रश्न 7. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए **अंक 5**

लोगों को यह कहते सुना जाता है कि एक और एक दो होते हैं, परंतु एक लोकोक्ति है 'एक और एक ग्यारह'इस कथन का अभिप्राय है कि एकता में शक्ति होती है। जब दो व्यक्ति एक साथ मिलकर प्रयास करते हैं तो उनकी शक्ति कई गुनी हो जाती है। मनुष्य सामाजिक प्राणी है। समाज अलग-अलग इकाइयों का समूहबद्ध रूप है, जिसमें हर इकाई समाज को शक्तिशाली बनाती है। व्यष्टि रूप में एक व्यक्ति का कोई महनव नहीं, परंतु समष्टि रूप में वह समाज की एक इकाई है। बाढ़ से

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

बचने के लिए जब एक अंधे और लंगड़े में सहयोग हुआ तो अंधे को लंगड़े की आँखें तथा लंगड़े को अंधे की टाँगे मिल गइह और दोनों बच गए। एकता में बड़ी शक्ति है। जो समाज एकता के सूत्र में बँधा नहीं रहता, उसका पतन अवश्यभावी है। भारत की परतंत्रता इसी फूट का परिणाम थी। जब भारतवासियों ने मिलकर आज़ादी के लिए संघर्ष किया तो अंग्रेजों को यहाँ से भागना पड़ा। गणित में शून्य के प्रभाव से अंक दस गुने हो जाते हैं। अत: समाज का हर व्यक्ति सामूहिक रूप से समाज की रीढ़ होता है।

1. **लोकोक्ति के अनुसार एक और एक ग्यारह क्यों होते हैं ?** 1
   (क) ग्यारह को एक और एक कहते हैं
   (ख) एकता में बल होने से
   (ग) एक और एक को आमने-सामने रखने से
   (घ) उपरोक्त सभी

2. **गद्यांश में आए व्यष्टि शब्द से लेखक का आशय है** 1
   (क) समूह
   (ख) इकाई
   (ग) 'क' एवं 'ख' दोनों
   (घ) उपरोक्त से कोई नहीं

3. **समाज में यदि लोग मिलजुल कर न रहें उसका क्या अंजाम हो सकता है** 1
   (क) वह समाप्त हो सकता है
   (ख) उसका पतन हो सकता है
   (ग) वह आजाद हो सकता है
   (घ) वह शक्तिशाली नहीं रहता

4. **गणित में शून्य का क्या महत्व है** 1
   (क) ग्यारह हो जाते हैं
   (ख) अंक बढ़ जाते हैं
   (ग) अंक दस गुने हो जाते हैं
   (घ) शून्य का कोई महत्व नहीं

5. **इस गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक है** 1
   (क) सहयोग की भावना
   (ख) समाज की इकाई
   (ग) शक्तिशाली भारत
   (घ) एकता में शक्ति

प्रश्न 8. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए **अंक 5**

ग्राम-समस्याओं का निराकरण केवल मस्तिष्क-बल या बुद्धि-बल से नहीं हो सकता। उसके लिए वास्तविक प्रत्यक्ष अनुभव की आवश्यकता है। यह अनुभव दूर से नही हो सकता, लिखित विवरणों और आँकड़ों से भी नहीं, पूछताछ या जाँच-पड़ताल और दौरा करने से भी नहीं। कारण, विभिन्न प्रांतों के गाँवों की विभिन्न समस्याएँ हैं। कुछ समस्याओं में समानता है और कुछ में विषमता भी। बहुत संभव है कि एक जिले के गाँवों के साथ जो जटिल समस्याएँ लगी हुई हैं, वे दूसरे जिले के गाँवों के साथ न

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

हों। पर अधिकांश गाँव कम-से-कम अस्सी प्रतिशत गाँव-सारे देश में ऐसे ही हैं, जिनकी समस्याएँ और आवश्यकताएँ बहुत कुछ एक-सी हैं। जब तक उनकी पूर्ति के प्रयत्न न होंगे, गाँवों की दुर्दशा बनी रहेगी और, पूर्ति तभी होगी जब गाँवों में कुछ दिन रहकर वहाँ की आवश्यकताएँ समझ ली जाएँगी ।

1. **ग्राम की समस्याओं से मुक्ति पाने के लिए प्रत्यक्ष अनुभव क्यों आवश्यक है?** 1
   (क) आँकड़े पाने के लिए
   (ख) लिखित विवरण जानने के लिए
   (ग) समस्याओं को महसूस करने के लिए
   (घ) जाँच पड़ताल करने के लिए

2. **प्रत्यक्ष अनुभव किस प्रकार पाया जा सकता है ?** 1
   (क) बुदि बल से
   (ख) जाँच पड़ताल से
   (ग) समस्याएँ निराकरण से
   (घ) गाँव में कुछ दिन रहकर

3. **गाँवों की दुर्दशा कब तक बनी रहेगी ?** 1
   (क) जब तक प्रत्यक्ष अनुभव नहीं होगा
   (ख) समस्याओं का निदान नहीं होगा
   (ग) समानता नहीं होगी
   (घ) सही आँकड़े प्राप्त नहीं होंगे

4. **'अनुभव' शब्द में कौन सा उपसर्ग सही है** 1
   (क) अ (ख) अन् (ग) अनु (घ) व

5. **इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है** 1
   (क) ग्रामीण समस्याएँ (ख) गाँव की दुर्दशा
   (ग) मस्तिष्क बल (घ) प्रत्यक्ष अनुभव

प्रश्न 9 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए। अंक 5

''साहित्य का आधार जीवन है। इसी नींव पर साहित्य की दीवार खड़ी होती है। उसकी अटारियाँ, मीनार और गुंबद बनते हैं। लेकिन बुनियाद मिट्टी के नीचे दबी पड़ी है। जीवन परमात्मा की सृष्टि है, इसलिए सुबोध है, सुगम है और मर्यादाओं से परिमित है। जीवन परमात्मा को अपने कामों का जवाबदेह है या नहीं हमें मालूम नहीं, लेकिन साहित्य तो मनुष्य के सामने जवाबदेह है। इसके लिए कानून है जिनसे वह इधर-उधर नहीं जा सकता। मनुष्य जीवन पर्यन्त आनन्द की खोज में लगा रहता है। किसी को वह रत्न द्रव्य में मिलता है, किसी को भरे-पूरे परिवार में, किसी को लंबे-चौड़े भवन में, किसी को ऐश्वर्य में। लेकिन साहित्य का आनन्द इस आनन्द से टँचा है। उसका आधार सुंदर और सत्य है। वास्तव में सच्चा आनन्द सुंदर और सत्य से मिलता है, उसी आनन्द को दर्शाना, वही आनन्द उत्पन्न करना साहित्य का उद्देश्य है।''

(1) साहित्य और जीवन में गहरा सम्बन्ध है क्योंकि 1
(क) जीवन का मुख्य आधार साहित्य है (ख) साहित्य जीवन की मजबूत दीवार है
(ग) साहित्य का आधार जीवन है (घ) साहित्य का आनन्द जीवन से टँचा है

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(2) मनुष्य किसकी खोज में जीवन भर लगा रहता है – 1

(क) परमात्मा की (ख) आनन्द की (ग) साहित्य की

(घ) रत्न द्रव्य, भरे-पूरे परिवार, लंबे-चौड़े भवन एवं ऐश्वर्य को पाने की

(3) साहित्य के आनन्द का आधार– 1

(क) सुंदर और सत्य को पाने में है (ख) जीवन में है

(ग) रत्न और ऐश्वर्य में है (घ) परमात्मा में है

(4) 'परिमित' का तात्पर्य है– 1

(क) सीमित (ख) दबा हुआ (ग) विस्तृत (घ) फँसा हुआ

(5) 'लंबे-चौड़े भवन में' पंक्ति में 'लंबे-चौड़े' व्याकरण की दृष्टि से– 1

(क) यिया-विशेषण है (ख) संज्ञा है (ग) यिया है (घ) विशेषण है

प्रश्न 10 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उार सही विकल्प चुनकर लिखिए। **अंक 5**

कालिदास उसी डाली को काट रहे थे, जिस डाली पर बैठे थे। विद्योनामा नामक विदुषी राजकन्या का मान भंग करने का षड्यंत्र कर रहे तथाकथित विद्वान वर्ग को वह व्यक्ति (कालिदास) सर्वाधिक जड़मति और मूर्ख लगा। सो वे उसे ही कुछ लाभ-लालच दे, कुछ टटपटाँग सिखा-पढ़ा, महापंडित के वेश में सजा-धजाकर राजदरबार में विदुषी राज कन्या विद्योनामा से शास्त्रार्थ करने के लिए ले गए। उस मूर्ख के टटपटाँग मौन संकेतों की मनमानी व्याख्या कर षड्यंत्रकारियों ने उस विदुषी से विवाह करा ही दिया, लेकिन प्रथम रात्रि में ही वास्तविकता प्रकट हो जाने पर पत्नी के ताने से घायल होकर ज्यों घर से निकले, कठिन परिश्रम और निरंतर साधना-रूपी रस्सी के आने-जाने से घिस-पिटकर महाकवि कालिदास बनकर घर लौटे। स्पष्ट है कि निरंतर अभ्यास ने तपाकर उन की जड़मति को पिघलाकर बहा दिया और जो बाकी बचा था, वह खरा सोना था।

(1) कालिदास उसी डाली को क्यो काट रहे थे, जिस डाली पर वे बैठे थे? 1

(क) वे विद्वान थे। (ख) वे जड़मति थे। (ग) वे महापंडित थे। (घ) वे लकड़हारे थे।

(2) कालिदास को पंडित कहा ले गए? 1

(क) विद्योनामा का राजमहल दिखाने। (ख) विद्योनामा से मिलवाने के लिए।

(ग) विद्योनामा के पास सजा दिलवाने। (घ) विद्योनामा से शास्त्रार्थ करने के लिए।

(3) विदुषी राजकन्या का विवाह जड़मति कालिदास से क्यों हो गया? 1

(क) कालिदास सुदर्शन व्यक्तित्व के थे।

(ख) विद्वान वर्ग ने उनके मौन संकेतों की मनमानी व्याख्या की।

(ग) कालिदास धनी थे।

(घ) राजकन्या कालिदास से प्रेम करती थी।

(4) कालिदास किस प्रकार महाकवि बन गए? 1

(क) पत्नी के प्रेम के कारण। (ख) साहित्य रचना के कारण।

(ग) कठिन परिश्रम और निरन्तर साधना से। (घ) घर से त्यागकर जाने के कारण।

(5) इस गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए। 1

(क) जड़मति कालिदास। (ख) विद्योतमा और कालिदास।

(ग) महाकवि कालिदास। (घ) करत-करत अभ्यास के जड़मति हो

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

उत्तर –

प्रश्न 1. 1 × 5 = 5

(*i*) ख (*ii*) ग (*iii*) घ (*iv*) घ (*v*) ख

उत्तर –

प्रश्न 2. 1 × 5 = 5

(क) (*i*) (ख) (*iv*) (ग) (*iv*)

(घ) (*ii*) (ड.) (*iii*)

उत्तर –

प्रश्न 3. 1 × 5 =5

(क) (*पपप*) 1

(ख) (*पपप*) 1

(ग) (*पपप*) 1

(घ) (*पप*) 1

(ट) (*पअ*) 1

उत्तर –

प्रश्न 4. 1 × 5 =5

(क) (*पप*) 1

(ख) (*पपप*) 1

(ग) (*प*) 1

(घ) (*पअ*) 1

(ड.) (*प*) 1

उत्तर –

प्रश्न 5. 1 × 5 =5

(क) (*पपप*) 1

(ख) (*पअ*) 1

(ग) (*प*) 1

(घ) (*पअ*) 1

(ड.) (*पपप*) 1

Downloaded from www.studiestoday.com